RNI No. UTTHIN/2022/81460 REGISTRATION No.: UA/DO/DDN/02/2025-27

वर्ष : 9, अंक : 07, जुलाई 2026

देवकमल

उत्तराखंड भाजपा का वैचारिक मुखपत्र

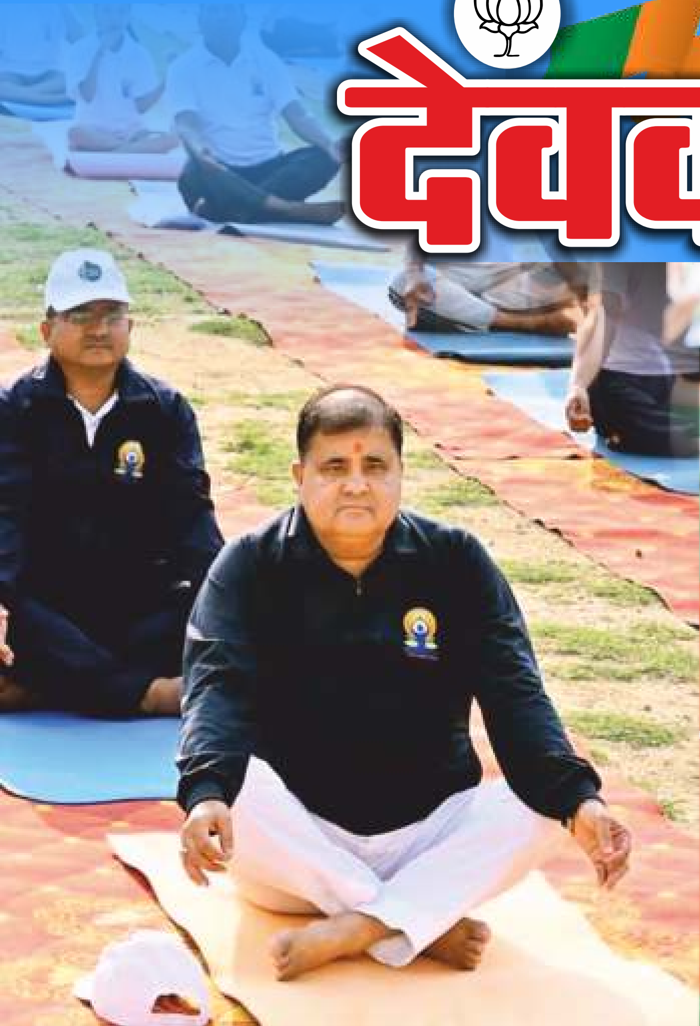

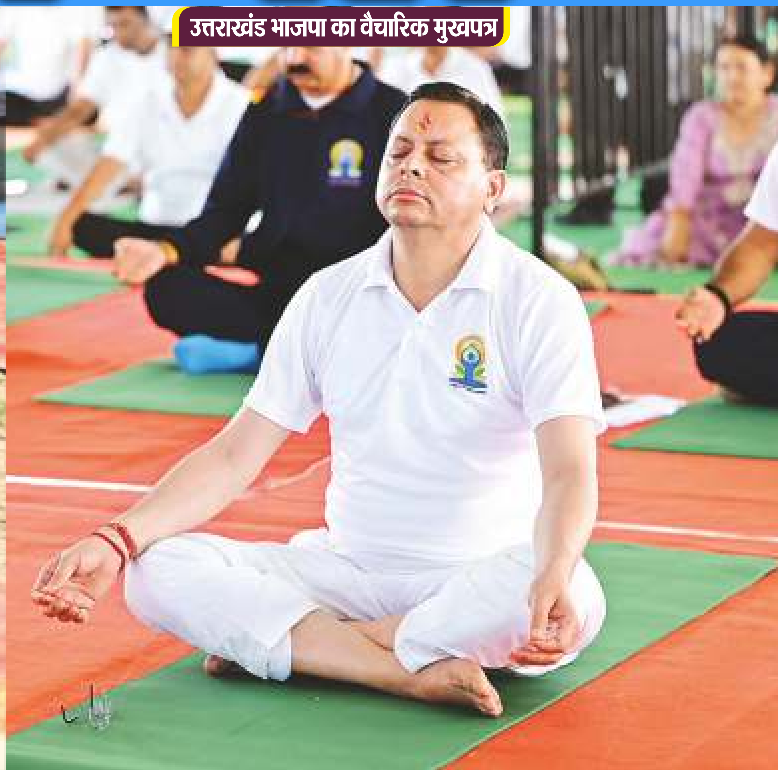

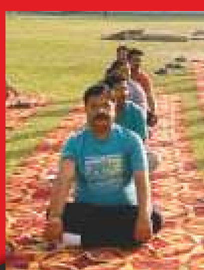

योग बना वैश्विक जीवनशैली का आधार, भारत बना विश्व का पथप्रदर्शक

सेवा, सुशासन, समर्पण के 5 साल

जन-जन की सरकार
जन-जन के द्वार

देवकमल

वर्ष : 9, अंक: 07, जुलाई 2026

अनुक्रमणिका

कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुभव और समर्पण से भाजपा अजेय बनी है : सीएम धामी | पृष्ठ 04

मातृशक्ति के सहयोग से भाजपा और सशक्त होकर जनसेवा के कार्यों को गति देगी: महेंद्र भट्ट | पृष्ठ 09

संगठन की ताकत बना प्रशिक्षण अभियान, उत्तराखंड भाजपा ने देशभर में हासिल किया पहला स्थान | पृष्ठ 21

संरक्षक

श्री महेन्द्र भट्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, उत्तराखंड

श्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

प्रबंध संपादक

श्रीमती विनोद उनियाल

लेआउट

ए.एस. चौहान

मूल्य
10 रुपये

सनातन चेतना के संवर्धन में विश्व हिन्दू परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण : पुष्कर सिंह धामी	पृष्ठ 06
कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली	पृष्ठ 08
मोदी के 12 वर्ष में देश को मिली वैश्विक पहचान उत्तराखंड को विकास की नई उड़ान	पृष्ठ 10
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की अखंडता का आधार : महेंद्र भट्ट	पृष्ठ 12
लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत	पृष्ठ 13
अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य: जे.पी. नड्डा	पृष्ठ 16
'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया आत्मनिर्भरता का संदेश	पृष्ठ 18
व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण तक, संघ शिक्षा वर्ग ने गढ़े सेवा और समर्पण के संस्कार	पृष्ठ 20
राष्ट्र प्रथम की राजनीति के प्रेरणास्रोत थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजी: नरेश बंसल	पृष्ठ 22
सशक्त बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और डिजिटल संवाद से मजबूत होगा संगठन: नेत्रपाल मौर्य	पृष्ठ 24
प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने जनकल्याण के नए मानक स्थापित किए हैं: अमित शाह	पृष्ठ 25
भारत का सांस्कृतिक पुनरोद्धार काल	पृष्ठ 28
केंद्र सरकार का विजन पूर्वी भारत के विकास के जरिये भारत का विकास है : नरेंद्र मोदी	पृष्ठ 30
पश्चिम बंगाल विकास और राष्ट्र-निर्माण की एक नई यात्रा पर निकल पड़ा है: प्रधानमंत्री	पृष्ठ 31

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित।

आज के परिप्रेक्ष्य में योग का महत्व

महेन्द्र भट्ट
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, उत्तराखंड

आधुनिक युग अभूतपूर्व सुविधाओं, तकनीकी प्रगति और भौतिक समृद्धि का युग है, किंतु इसके साथ ही मनुष्य का जीवन तनाव, चिंता, अवसाद, अनियमित दिनचर्या और विभिन्न जीवनशैली जनित रोगों से भी घिरता जा रहा है। प्रतिस्पर्धा की बढ़ती दौड़, कार्य का दबाव और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों ने व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक संतुलन को प्रभावित किया है। ऐसे समय में योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवन का आधार है।

'चित्तप्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
प्राणस्पन्दनिरोधो वा द्वेधा योगस्य धारणा॥'

संस्कृत का यह श्लोक बताता है कि योग मन को पूर्णतः शांत करने का साधन है। भारतीय ऋषियों द्वारा प्रदत्त योग की परंपरा शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। योग व्यक्ति को शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से स्थिर और आत्मिक रूप से जागरूक बनाता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, रक्त संचार बेहतर होता है और अनेक गंभीर बीमारियों के जोखिम में कमी आती है। वहीं प्राणायाम और ध्यान मन को शांति प्रदान करते हैं तथा तनाव और नकारात्मकता को दूर करने में सहायक होते हैं। वर्तमान समय में जब मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है, तब योग का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को विश्व पटल पर ऐतिहासिक पहचान मिली है। उनके नेतृत्व में भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इससे योग भारत की सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली का प्रतीक बन गया है। योग व्यक्ति को आत्मनियंत्रण, अनुशासन और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। यह केवल स्वास्थ्य संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक, संतुलित और आनंदमय बनाने की कला भी है।

योग की इसी सार्वभौमिक उपयोगिता को देखते हुए आज पूरा विश्व इसकी महत्ता को स्वीकार कर चुका है। भारत की पहल पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन इसका प्रमाण है कि योग मानवता के कल्याण का वैश्विक मार्ग है। वास्तव में, आज के भागदौड़ भरे जीवन में योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुखी और संतुलित जीवन के लिए एक आवश्यक जीवन-पद्धति है।

महर्षि पतंजलि कहते हैं - ''योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' अर्थात् जब चित्त की वृत्तियाँ शान्त हो जाती हैं, तब साधक अपने भीतर उस अखण्ड चैतन्य का अनुभव करता है, जो न जन्म लेता है, न नष्ट होता है, न परिवर्तित होता है। भगवान आदि शंकराचार्य जी ने भी कहा है कि अज्ञानवश आत्मा स्वयं को देह, मन और बुद्धि से अभिन्न मान बैठती है; योग उस अज्ञान के आवरण को हटाकर आत्मा के नित्य प्रकाश को प्रकट करता है। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं -

'समत्वं योग उच्यते।',

'योगः कर्मसु कौशलम्।'

यह समत्व केवल व्यवहारिक संतुलन नहीं, अपितु उस ब्रह्मदृष्टि का उदय है, जिसमें साधक सम्पूर्ण जगत् को एक ही आत्मतत्त्व की अभिव्यक्ति के रूप में देखता है। यही अद्वैत का दर्शन है, यही योग का चरम उत्कर्ष है। 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यही मंगलकामना है कि समस्त मानवता योग के माध्यम से अपने भीतर स्थित उस दिव्य, अखण्ड और अद्वैत चेतना का अनुभव करे, जो शाश्वत शान्ति, आनन्द और मुक्त जीवन का स्रोत है।

विश्वास, विकास और सुशासन की निरंतर यात्रा

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ पड़ाव ऐसे हैं जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनविश्वास की गहराई और नेतृत्व की स्वीकार्यता के प्रतीक बन गये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वतंत्र भारत में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करना ऐसा ही एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह उपलब्धि केवल किसी एक व्यक्ति की राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रमाण है जो देश की 140 करोड़ जनता ने उनके नेतृत्व, नीतियों और राष्ट्र निर्माण के संकल्प पर व्यक्त किया है। पिछले एक दशक में भारत ने अनुच्छेद 370 की समाप्ति, सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक, अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में जो परिवर्तन देखे हैं, उन्होंने देश की दिशा और दशा दोनों को बदलने का काम किया है। जीएसटी, डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, यूपीआई, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और गति शक्ति जैसी योजनाएं केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में बदलाव लाने वाले अभियान सिद्ध हुए हैं।

इसी राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में यदि उत्तराखंड की ओर देखा जाए तो मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का नेतृत्व राज्य की राजनीति में सुशासन, त्वरित निर्णय क्षमता और जनविश्वास का एक महत्वपूर्ण अध्याय बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने का जो प्रयास राज्यों में दिखाई देता है, उत्तराखंड में उसका प्रभावी उदाहरण मुख्यमंत्री श्री धामी के रूप में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री के रूप में लगभग पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करने श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपेक्षाकृत कम समय में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। युवा नेतृत्व, तेज निर्णय क्षमता और जनता से सीधा संवाद उनकी कार्यशैली की विशेषता रही है। विशेष रूप से भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनाई गई उनकी 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने उन्हें जनता के बीच एक सख्त और संवेदनशील प्रशासक की छवि प्रदान की है।

सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की सोच एक-दूसरे की पूरक दिखाई देती है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, बदरीनाथ, केदारनाथ धाम और महाकाल लोक जैसे राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक पुनर्जागरण अभियानों के समानांतर उत्तराखंड में भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में उत्तराखंड का अग्रणी बनना इसी साहसिक नेतृत्व का उदाहरण है। शिक्षा के क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने ऐसे निर्णय लिए हैं जिनकी चर्चा अब राष्ट्रीय स्तर पर होने लगी है। मदरसा शिक्षा बोर्ड समाप्त कर आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए कदमों का उद्देश्य किसी व्यवस्था का विरोध नहीं, बल्कि सभी बच्चों को समान रूप से आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। उत्तराखंड में शिक्षा को मुख्यधारा से जोड़ने और पारंपरिक ढांचों के स्थान पर आधुनिक शिक्षा मॉडल को प्रोत्साहित करने की पहल की राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हो रही है। आज कई प्रदेश इस शिक्षा के मॉडल को अपनाने की ओर अग्रसर है। आज जब भारत 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब उत्तराखंड भी 'श्रेष्ठ उत्तराखंड' के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

●विनोद उनियाल

कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुभव और समर्पण से भाजपा अजेय बनी है : सीएम धामी

बूथ-बूथ कमल खिलाने में प्रकोष्ठों की भूमिका बेहद अहमः महेंद्र भट्ट

भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठों की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुभव और समर्पण से भाजपा अजेय बनी हुई है। अब प्रकोष्ठों को सरकार के कामों को हर वर्ग तक पहुंचाकर, पार्टी की जीत को अधिक प्रचंड बनाना है। भाजपा के लिए राजनीति सेवा का माध्यम, तभी आपदा , एनजीओ और पर्यटन जैसे प्रकोष्ठों की हमारे लिए अहमियत है, जो बताता है भाजपा जनता के बीच काम करती है, विपक्ष सोशल मीडिया पर। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा, बूथ बूथ कमल खिलाने में प्रकोष्ठों की भूमिका बेहद अहम होने जा रही है।

प्रदेश कार्यालय बलवीर रोड पर आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर चलने वाला एक जीवंत विचारधारा है। इस विचार को समाज के अंतिम छोर तक खड़े हुए विभिन्न आय वर्ग और सामाजिक वर्ग के लोगों तक पहुंचाने का काम कोई करता है, समाज के हर वर्ग तक पहुंचने में पार्टी का कोई माध्यम बनता है, तो हमारे प्रकोष्ठ बनते हैं। आज हमारे पास चिकित्सा,सहकारिता, सांस्कृतिक, व्यवसायिक, आपदा प्रबंधन, पर्यटन गतिविधि, खेल सभी क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न प्रकोष्ठ हैं। उसमें आप सभी लोगों को इस क्षेत्र में अपनी एक विशेषज्ञता के साथ, पार्टी के अनुभव और समाज का अनुभव है का सामंजस्य बनाते हुए सरकार और पार्टी के कामों को जन-जन तक पहुंचाना है। आप लोगों की क्षमता, अनुभव

और समर्पण हमें अन्य पार्टियों के सामने अजेय बनाता है। भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों में यही अंतर है कि अन्य दल सिर्फ चुनाव के समय में वोट ढूंढने के लिए निकलते हैं और हम लोग 365 दिन समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए काम करते है। भाजपा राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम मानती है। हम लोग सरकार में इसलिए आना चाहते हैं कि इसके माध्यम से समाज की सेवा कर राष्ट्र के उन्नयन में अपना योगदान दें, समाज के अंतिम छोर में खड़े हुए व्यक्ति को आगे लाने का कार्य करें।

उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बार हमारी पार्टी ने अपने संगठन के दायरे को बढ़ाते हुए आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, स्वयं सहायता प्रकोष्ठ को भी बहुत प्रमुखता दी है। चूंकि उत्तराखंड एक संवेदनशील हिमालय राज्य है, हमने आपदाओं का दर्द भी देखा है और उनसे लड़ने का साहस भी दिखाया है। पार्टी का एक सिद्धांत कि 'जहां कम, वहां हम'–इस सूक्ति को भी हमने चरितार्थ किया है। जब भी राज्य या देश पर कोई आपत्ति आती है, तो सरकार और प्रशासन तो अपना काम करते हैं लेकिन ऐसे विपरीत समय में सबसे पहले समाज खड़ा होता है और समाज को दिशा देने का काम हमारे पार्टी के कार्यकर्ता करते हैं। ऐसे कठिन समय में हमारे कार्यकर्ता राहत के काम हों, बचाव के कार्य हों, उन सभी में योगदान देते हैं; चाहे आपदा हो, चाहे कोरोना जैसी महामारी हो, या कोई अन्य कोई असमय आने वाली विपत्ति हो। हमारे कार्यकर्ता राष्ट्र और समाज को सर्वोपरि मानते हुए संकट की घड़ी में आगे बढ़ते हैं।

उन्होंने आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के संयोजकों से आग्रह किया कि ब्लॉक स्तर पर ऐसे युवाओं की टोली अवश्य तैयार करें, जो आपदा के समय में 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बनें। हमें जनता के दिलों में यह विश्वास जगाना है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हर मुश्किल में उनके साथ खड़ा है। यह भाव, यह विश्वास आम जनता में पैदा करने का काम हमारे प्रकोष्ठों के माध्यम से होना है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से भी आग्रह किया कि हमारी लाखों बहनें आज स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्राप्त कर रही हैं। यानी कि स्वयं भी रोजगार कर रही हैं और स्वयं के रोजगार के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान करने का काम

कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि 2029 तक 3 करोड़ हमारी बहनें, महिलाएं 'लखपति दीदी' बनें और इसके लिए हमारी सरकार उनके इस संकल्प को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना से लेकर लखपति दीदी योजना तक, महिलाओं के लिए 30% का क्षैतिज आरक्षण लागू करने का काम भी किया है। ऐसे में हमारे स्वयं सहायता समूह प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी है कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय हमारी हजारों महिला समूहों तक पहुंच बनाएं, उनसे संपर्क स्थापित करें और उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ने का काम भी करें। हमारी डबल इंजन की सरकार आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, जनता को पता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में डबल इंजन की सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की भावना के साथ दिन-रात कार्य कर रही है। इसीलिए पूरे देश में जहां भी चुनाव हो रहे हैं, वहां देश की जनता डबल इंजन सरकारों को चुन रही है। अब दो-तीन राज्य रह गए हैं और आने वाले समय में अटक से लेकर कटक तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक भाजपा की सरकार होगी। उन्होंने सभी प्रकोष्ठ से लगातार अपनी गतिविधियों को मिशन मोड़ पर आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा कहा कि आप जनता के बीच में बैठिए, उनकी समस्याओं को ध्यान से सुनिए, उन्हें सीधे हम तक पहुंचाइए। सरकार का दरवाजा हमेशा खुला है। हमे इस विश्वास को और अधिक मजबूत करना है कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हमेशा उनके साथ खड़ा है क्योंकि जनता का विश्वास ही हमारी ताकत है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास हमारे प्रधानमंत्री श्री श्री नरेंद्र मोदी जैसा मजबूत और दूरदर्शी, पारदर्शी नेतृत्व एवं दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा जो ऐतिहासिक कार्य हैं, वह भी हमारे लिए बहुत बड़ी एक ताकत हैं। उस सबके ऊपर आप जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की फौज है। लिहाजा हमें बस एकजुटता और समर्पण भाव से पार्टी के कामों को इसी तरह आगे बढ़ाना है। हम न थकेंगे, न हम रुकेंगे। उन्होंने संकल्प दिलाया कि हमें विपक्ष के हर झूठ को, हर अफवाह को सही तथ्यों, तथ्यपरक चीजों से जवाब देने का काम करना है। हम सबको मिलकर संगठन को अधिक मजबूत करते हुए, समाज की सेवा को और व्यापक बनाएं। ताकि राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में हमारी सक्रिय भागीदारी अधिक सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चाहे मानसखंड हो या केदारखंड हो, यहां के सभी धार्मिक स्थलों का विकास हो रहा है, उनका नवनिर्माण हो रहा है, पुनर्निर्माण हो रहा है, वहां पर सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। उसी का परिणाम है कि आज तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हो रही है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने सभी मोर्चों से उनकी भूमिका लेकर विभिन्न पार्टी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, प्रकोष्ठ पार्टी की बड़ी ताकत हैं क्योंकि उसके कार्यकर्ता समाज के सभी वर्गों के बीच कर्मठता से जुड़कर सहभागिता करते हैं। समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं जो पार्टी के कार्यकर्ता नहीं है लेकिन हमारी विचारधारा, हमारे सरकार के कार्यों और हमारे नेतृत्व से प्रसन्न है। उन सब तक पार्टी के कार्यक्रमों और सरकार की योजनाओं को पहुंचाना है ताकि वे चुनाव की दृष्टि से पार्टी के पक्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी प्रकोष्ठों को निदेश दिए कि शीघ्र अपनी टीमों का गठन मंडल तक पूरा करना है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। बैठक में प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार एवं पार्टी के प्रदेश प्रकोष्ठ संयोजक श्री कौस्तुभानंद जोशी के साथ सभी 22 प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सह संयोजक उपस्थित थे।

●प्रस्तुतिः देवकमल

सनातन चेतना के संवर्धन में विश्व हिन्दू परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण : पुष्कर सिंह धामी

आज विश्व अभूतपूर्व वैचारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में अपनी जड़ों से जुड़ाव, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति निष्ठा ही समाज को सही दिशा प्रदान कर सकती है। इन्हीं लक्ष्यों को लेकर हरिद्वार के भूपतवाला में विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक आयोजित की गई । बैठक में सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय चेतना और भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर व्यापक चिंतन का सशक्त मंच बनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद बीते छह दशकों से सेवा, संस्कार, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभाव के संवर्धन का एक प्रभावशाली अभियान रही है। परिषद ने न केवल हिन्दू समाज को संगठित करने का कार्य किया है, बल्कि भारतीय संस्कृति के शाश्वत आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी प्राचीन संस्कृति, अध्यात्म और समरस जीवनदृष्टि में निहित है। यदि समाज संगठित, जागरूक और अपने मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहेगा, तो कोई भी चुनौती राष्ट्र की प्रगति को बाधित नहीं कर सकेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक अस्मिता के पुनर्जागरण का स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है। सदियों की प्रतीक्षा के उपरांत अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का दिव्य पुनरुत्थान तथा महाकाल लोक का विस्तार केवल विकास परियोजनाएं नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा के पुनर्प्रतिष्ठापन के प्रतीक हैं। इन प्रयासों ने करोड़ों भारतीयों को अपनी विरासत पर गर्व करने का नया अवसर प्रदान किया है तथा विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड भी इसी सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अग्रदूत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। केदारखण्ड और मानसखण्ड के प्राचीन मंदिरों के पुनर्विकास, यमुनातीर्थ के पुनरुद्धार तथा हरिद्वार-ऋषिकेश, शारदा और गोल्ज्यू कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी

परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान प्रदान की जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान और मूल स्वरूप की रक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी दृष्टि से धर्मांतरण विरोधी कानून को और अधिक प्रभावी बनाया गया है, समान नागरिक संहिता लागू कर समानता और न्याय के सिद्धांत को सशक्त किया गया है तथा सख्त भू-कानून के माध्यम से प्रदेश की भूमि, संस्कृति और जनभावनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। अतिक्रमण के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान केवल भूमि संरक्षण का प्रयास नहीं, बल्कि देवभूमि की अस्मिता और विरासत की रक्षा का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी तय करती है। यदि युवा अपनी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं से परिचित होंगे, तभी वे राष्ट्र के गौरवशाली भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। इसी उद्देश्य से दून विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज' की स्थापना की गई है, जहां भारतीय दर्शन, संस्कृति, इतिहास और सभ्यता पर गंभीर अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। यह केंद्र भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री के संबोधन से पूर्व संत समाज ने उन्हें धर्मरक्षक, सनातन परंपराओं के प्रति समर्पित जननेता और देवभूमि के देवालयों के सेवक के रूप में संबोधित करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। संतों ने कहा कि उत्तराखण्ड में सांस्कृतिक संरक्षण और आध्यात्मिक पुनर्जागरण की दिशा में जो प्रयास हो रहे हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।

महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सनातन चेतना वैश्विक स्तर पर सम्मान और स्वीकार्यता प्राप्त कर रही है। उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लिए गए निर्णयों ने प्रदेश को सांस्कृतिक संरक्षण और सुशासन के आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि सनातन मूल्यों की रक्षा और समाज में जागरूकता का विस्तार आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

महामंडलेश्वर स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश महाराज ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की ऐतिहासिक विजय है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा के विरुद्ध खड़े होने वाले तत्व समय-समय पर भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं, किन्तु भारतीय समाज अब अपनी सांस्कृतिक शक्ति और पहचान के प्रति पहले से कहीं अधिक जागरूक और सजग है।

अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वात्मानन्द महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में देशभर से आए संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण को लेकर व्यापक मंथन किया।

यह बैठक केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं थी, बल्कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प का एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध हुई। देवभूमि हरिद्वार से उठी यह आवाज स्पष्ट संकेत देती है कि भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण अब एक विचार नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप ग्रहण कर चुका है।

●प्रस्तुतिः देवकमल

कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली

भाजपा महिला मोर्चा का जनजागरण अभियान

खाद्य तेल के संयमित उपयोग और स्वस्थ जीवनशैली को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से देहरादून की सहसपुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा 'कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली' जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान केवल खानपान की आदतों में सकारात्मक परिवर्तन का प्रयास नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और उत्तराखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्मरण कराने वाला एक प्रेरक सामाजिक उपक्रम भी है।

कार्यक्रम में मातृशक्ति ने पारंपरिक उत्तराखंडी वेशभूषा में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लाइव कुकिंग के माध्यम से कम तेल, कम ईंधन तथा बिना ईंधन के तैयार होने वाले पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। सत्तू का शरबत, मट्ठा, सिलबट्टे की पारंपरिक चटनी, पहाड़ी व्यंजन, मालू के पत्तों से निर्मित पत्तल-दोने, कुल्हड़ की लस्सी तथा हांडी में बनी दाल ने स्थानीय संस्कृति और स्वास्थ्यपरक जीवनशैली के समन्वय को साकार किया।

यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तराखंड को दिए गए पंच-संकल्प–स्वस्थ जीवनशैली, श्रीअन्न (मोटे अनाज) को बढ़ावा, स्थानीय उत्पादों का प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास–को धरातल पर उतारने का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट, जिलाध्यक्ष श्री मिता सिंह, सहसपुर विधायक श्री सहदेव सिंह पुंडीर तथा महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेशव्यापी स्तर पर संचालित इस अभियान के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रुचि भट्ट के नेतृत्व में प्रदेश महामंत्री डॉ. हिमानी वैष्णव एवं उनकी टीम ने पवित्र यमुनोत्री धाम पहुंचकर माँ यमुना के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की तथा राष्ट्र, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

अभियान के तहत महिला मोर्चा की टीम ने लगभग पाँच किलोमीटर की पदयात्रा कर यमुनोत्री धाम तक पहुंचते हुए स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। साथ ही धाम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प भी दोहराया गया। महिला मोर्चा ने इस ऐतिहासिक एवं पर्यावरण-अनुकूल परंपरा को पुनर्जीवित कर पूरे देश के समक्ष यह संदेश रखा कि प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से स्वास्थ्यवर्धक, किफायती और पर्यावरण-सम्मत जीवनशैली अपनाई जा सकती है।

कार्यक्रम में प्रदेश कार्यालय सह-प्रभारी श्रीमती बबली चौहान, 'राइस लेडी' के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती श्वेता भंडारी, श्रीमती आशिता, श्री चंडी प्रसाद बेलवाल, श्री योगेश बधानी, श्री मनेंद्र रावत सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। आयोजन की सफलता में यमुनोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

•प्रस्तुतिः देवकमल

मातृशक्ति के सहयोग से भाजपा और सशक्त होकर जनसेवा के कार्यों को गति देगीः महेंद्र भट्ट

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने महिला मोर्चा बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी और आशीर्वाद से भाजपा, अधिक सशक्त होकर जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा एक महत्वपूर्ण 'परिचयात्मक बैठक में उन्होंने यह बात कही। इस बैठक में संगठन के महिला शीर्ष प्रदेश नेतृत्व सहित महिला मोर्चा की नवनियुक्त व वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा से अवगत कराया और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न गंभीर विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में मातृ शक्ति को केंद्र में रखते हुए देश और प्रदेश विकसित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन्हीं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने और मातृ शक्ति के सशक्तिकरण में

पार्टी की महिला मोर्चा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस उद्देश्य से संसद और विधानसभाओं में मातृ शक्ति का 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करवाया गया है, लखपति दीदीयों की संख्या अब करोड़ों में ले जाने की तैयारी है, मुद्रा लोन से लेकर जन जन खातों में महिला प्राथमिकता है, गरीब कल्याण, उज्ज्वला, जल जीवन मिशन और स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं महिला केंद्रित हैं, राज्य में भी नौकरियों में आरक्षण से लेकर अनेकों मातृ शक्ति आधारित योजनाएं संचालित हैं। उसके मद्देनजर हमें अपने सेवा भाव और सक्रियता से पहले से अधिक माताओं, बहिनों और बेटियों का आशीर्वाद 2027 के चुनावों में प्राप्त कर जीत की हैट्रिक लगानी है। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के समर्पण और मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखण्ड के विकास और संगठन को धरातल पर मजबूत करने में महिलाओं का योगदान हमेशा से अतुलनीय रहा है। मातृशक्ति के इसी सहयोग से भाजपा राज्य में और अधिक सशक्त होकर जनसेवा के कार्यों को गति दे रही है।

इस अवसर पर प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती रुचि भट्ट, मोर्चा प्रभारी श्री शैलेंद्र सिंह बिष्ट, प्रदेश महामंत्री श्रीमती हिमानी डिमरी वैष्णव, श्रीमती रश्मि रस्तोगी सहित मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, सभी जिलों की मोर्चा अध्यक्ष एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

●प्रस्तुतिः देवकमल

मोदी के 12 वर्ष में देश को मिली वैश्विक पहचान उत्तराखंड को विकास की नई उड़ान

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सर्वाधिक बतौर निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल देश की प्रगति और विकास के लिए समर्पित रहा है। यह कालखंड आत्मविश्वास से भरा, सुरक्षित और विश्व में श्रेष्ठता स्थापित करने का कालखंड रहा है। जहाँ तक उत्तराखंड का प्रश्न है तो उत्तराखंड से विशेष लगाव के चलते इसका लाभ भी सामने आया और राज्य में बड़े बदलाव को लेकर आया है। पीएम श्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल देश और प्रत्येक देवभूमिवासी के लिए गौरवमयी और आनंददायक पलों को लेकर आया है।

पार्टी प्रदेश मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल और शानदार 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मीडिया संवाद का कार्यक्रम मे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इन 12 वर्षों में न केवल सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड नहीं बनाया, बल्कि लंबे समय से विकासशील देश की अवधारणा पर अटके भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है। इस दौरान जनता ने 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीसरी बार आशीर्वाद देकर साबित किया कि देश अब "नारे नहीं, काम पर वोट" देता है। आज भारत आत्मविश्वास से भरा, सुरक्षित और विश्व में सम्मानित राष्ट्र बन चुका है।

उन्होंने कहा कि देश ने वह दौर देखा है जब विशेषकर कांग्रेस के शासन में योजनाएं कागजों पर बनती थीं। लेकिन मोदी सरकार में योजनाएं बनती भी है और जमीन पर उतरती भी हैं। पहले सरकारें शिलान्यास करती थीं और अगली पीढ़ियां उद्घाटन का इंतजार करती थीं। लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में शिलान्यास और उद्घाटन दोनों देखने को मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक गरीब हटाने के नारे दिए, लेकिन सिर्फ अपने नेताओं की गरीबी हटाई। इसके विपरीत श्री नरेंद्र मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का कार्य किया, जिसे दुनिया भी अचंभित होकर प्रशंसा कर रही है। विपक्ष विशेषकर कांग्रेस की सरकारों में न विकास हुआ और न ही गरीबों की दशा में परिवर्तन आया, क्योंकि उनके समय भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बना हुआ था। जबकि मोदी सरकार ने डिजिटल क्रांति की और डीबीटी के माध्यम से 4.31 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचाए। इसी का नतीजा है कि यह पैसा जरूरतमंदों के पास गया और विकास की गति बढ़ाने वाली योजनाओं में वालिस लौटा। आज हम दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेन देन करने वाले देश बन गए हैं जो बड़े बड़े देशों के लिए आज भी चमत्कार से कम नहीं है।

उन्होंने पीएम श्री मोदी के गौरवमयी कार्यकाल में हुए देश के धार्मिक सांस्कृतिक पुनरोत्थान का चर्चा करते हुए कहा कि अब से पहले की विपक्षी सरकारों ने लगभग 6 दशक तक राम मंदिर निर्माण के प्रश्न को टालते रहे लेकिन श्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम जन्म भूमि मंदिर के साथ-साथ काशी, श्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, उज्जैन महाकाल, सोमनाथ सहित कई पावन स्थलों का विकास कर, सांस्कृतिक आस्था और राष्ट्रीय गौरव दोनों का सम्मान किया।

उन्होंने पूर्व की सरकारों द्वारा स्थित

राजनीति की मूल अवधारणा में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति तुष्टिकरण और वोट बैंक तक सीमित रही, जबकि मोदी सरकार की नीति तुष्टिकरण की नहीं संतुष्टीकरण की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता का प्रमाण है कि दूसरी बार शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री का पहला हस्ताक्षर किसान सम्मान निधि की फाइल पर था। इसी तरह 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान और 11 करोड़ माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना का लाभ मिला।

जन-धन, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान ने गरीबों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है।

मुख्यमंत्री ने देश की सुरक्षा नीति में आए जमीन आसमान के फर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि ये नया भारत है जो आतंकवादी घटना पर केवल निंदा भर नहीं करता बल्कि आतंकवाद का जवाब घर में घुसकर देता है। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने दुनिया को भारत की नई सुरक्षा कार्य संस्कृति से परिचय कराया है। एक दशक पहले जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी उस नक्सलवाद की समाप्ति करने में मोदी सरकार सफल हुई है। ऐसे तमाम प्रभावित क्षेत्रों में भय का वातावरण समाप्त हुआ है और विकास का दायरा बढ़ रहा है। जुड़ते भारत, बढ़ते भारत की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 में देश में 11 किलोमीटर प्रतिदिन सड़क बनती थी, आज 34 किलोमीटर प्रतिदिन से अधिक सड़कें बन रही हैं। इसी तरह डीजल से चलने वाली ट्रेन नहीं बल्कि बिजली से हवा में बात करने वाली वंदे भारत ट्रेनें और अटल टनल, चेनाब ब्रिज और आधुनिक रेलवे स्टेशन नए भारत की पहचान बन गए हैं। आसमान की बात करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाएं संचालित हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम पुनर्विकास ने देवभूमि को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर स्थापित किया है। चारधाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आया है। केदारनाथ एवं हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाएं तीर्थयात्रा को नई ऊंचाई देने जा रही हैं। वाइब्रेंट विलेज योजना से सीमांत गांवों में विकास की नई धारा पहुंची है। 2.54 लाख रुपए से अधिक महिलाओं का लखपति दीदी बनना प्रदेश मे महिला सशक्तिकरण का प्रमाण है, जिसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को है। माणा गांव जिसे श्री नरेंद्र मोदी ने सकारात्मक सोच की दृष्टि से पहला गाँव बताया और विकास की धारा को सबसे पहले वहां पहुंचाने का निर्णय लिया। उसी का परिणाम है कि यह देश का पहला गांव आज शतप्रतिशत लखपत दीदी वाला बन गया है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज योजना से सीमावर्ती क्षेत्रों का तेज गति से विकास हो रहा है। कांग्रेस के समय सीमांत गांव खाली हो रहे थे, आज वाइब्रेंट विलेज योजना से वहां फिर से विकास और उम्मीद लौट रही है। इसी तरह पीएम के मार्गदर्शन में एसडीजी इंडेक्स और निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तराखंड का प्रथम स्थान डबल इंजन सरकार की सफलता का प्रमाण है। देश की तरह प्रदेश में भी जिन परियोजनाओं को कांग्रेस दशकों तक फाइलों में दबाकर बैठी रही, उन्हें श्री नरेंद्र मोदी और पुष्कर सिंह धामी की डबल इंजन सरकार ने धरातल पर उतारा, जिसका उदाहरण है जमरानी परियोजना, लखवाड़ व्यासी और किसाऊ परियोजना है।

उन्होंने राहुल के हालिया दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं के लिए उत्तराखंड चुनावी पर्यटन का विषय रहा, जबकि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे अपने आध्यात्मिक और भावनात्मक संबंधों से जोड़ा है क्योंकि अल्मोड़ा में मौसम खराब था तो पैड़ी में तो साफ था और यदि पहाड़ में नहीं तो देहरादून के मैदानों में तो मौसम साफ था जबकि वहां तो अगले दिन आना था, लेकिन युवराज का मूड खराब हो गया और वे वापिस लौट गए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 60 वर्षों में जो काम अधूरे रहे, उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 वर्षों में गति, दिशा और परिणाम दिए हैं। आज देश और उत्तराखंड दोनों एक ही विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दोनों पार्टियों के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास विरासत में मिली राजनीति है, जबकि भारतीय जनता पार्टी के पास जनता से मिला विश्वास है। यही विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का आधार बन रहा है। हम सभी उत्तराखंडवासियों के सामर्थ्य पर भरोसे से कह सकते है कि विकसित भारत निर्माण के लिए विकसित उत्तराखंड की दिशा में हम मजबूती से बढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम सभी यहाँ एक ऐतिहासिक अवसर पर एकत्रित हुए हैं, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत के संकल्प के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। यह केवल एक सरकार के 12 वर्ष नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, वैश्विक प्रतिष्ठा और जन-जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की गौरवशाली यात्रा के ये 12 वर्ष हैं। इन 12 वर्षों में भारत ने अनेकों क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हुई हैं। गरीब कल्याण से लेकर महिला सशक्तिकरण, किसानों के उत्थान से लेकर युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करना, आधारभूत संरचना के विस्तार से लेकर डिजिटल क्रांति तक, हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। भारत आज विश्व मंच पर एक मजबूत, सक्षम और निर्णायक नेतृत्व वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। ●प्रस्तुतिः देवकमल

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की अखंडता का आधार : महेंद्र भट्ट

भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेशभर में बूथ स्तर तक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश कार्यलय बलवीर रोड पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के त्याग, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के कारण ही बंगाल और कश्मीर भारत की अखंडता के साथ जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार भले ही उनकी मृत्यु से जुड़े तथ्यों को दबाने में सफल रही हो, लेकिन उनके 'राष्ट्र सर्वोपरि' के विचारों को कभी समाप्त नहीं कर सकी। उन्हीं विचारों की प्रेरणा से आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक सशक्त, आत्मविश्वासी और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि स्वतंत्र भारत में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले नेताओं में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्थान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न और सुरक्षित हिस्सा है तो उसमें डॉ. मुखर्जी का योगदान अविस्मरणीय है। उस दौर की परिस्थितियों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकती कि उस समय राजनीतिक विरोधियों को किस प्रकार की प्रताड़नाओं का सामना करना पड़ता था। 'एक देश, एक विधान और एक निशान' के संकल्प के साथ कश्मीर जाने वाले डॉ. मुखर्जी का वहां रहस्यमय परिस्थितियों में निधन होना भारतीय राजनीति का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। देश की एकता और अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शीर्ष नेताओं में शामिल थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बढ़ती घुसपैठ और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के विरुद्ध भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए संघर्ष किया और 300 से अधिक कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। उसी संघर्ष, समर्पण और राष्ट्रवादी सोच का परिणाम है कि आज भाजपा वहां एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई है। यह उसी संकल्प और उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है जिसकी कल्पना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष श्री नरेश बंसल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध माने जाने वाले लियाकत-नेहरू समझौते का विरोध करते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। उन्होंने

कहा कि डॉ. मुखर्जी किसी राजनीतिक कृपा के कारण नहीं, बल्कि अपनी विलक्षण प्रतिभा और राष्ट्रवादी दृष्टि के कारण राष्ट्रीय नेतृत्व में प्रतिष्ठित हुए। महात्मा गांधी के सुझाव पर उन्हें और डॉ. भीमराव अंबेडकर को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।

श्री बंसल ने कहा कि उद्योग मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत की औद्योगिक और कृषि नीतियों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी असाधारण योग्यता के बल पर वे देश के सबसे कम आयु के विश्वविद्यालय कुलपति बने तथा शिक्षा जगत में अनेक नवाचारों का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि आज बंगाल भारत के साथ मजबूती से खड़ा है तो उसमें डॉ. मुखर्जी की दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है। बांग्लादेश से जुड़ी चुनौतियों और वहां के भविष्य को लेकर उनकी दूरदृष्टि भी समय के साथ पूरी तरह प्रमाणित हुई है।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास, प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार एवं श्रीमती दीप्ति रावत, विधायक श्रीमती सविता कपूर एवं श्रीमती सरिता आर्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री पुनीत मित्तल, अभियान संयोजक श्री ज्योति गैरोला, श्रीमती मधु भट्ट, डॉ. देवेंद्र भसीन, प्रदेश मंत्री श्री आदित्य चौहान, प्रदेश कार्यालय सचिव श्री जगमोहन रावत, प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी श्री राजेंद्र नेगी, श्री सत्यवीर सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं भाजपा परिवार के सदस्य उपस्थित थे। ●प्रस्तुतिः देवकमल

आपातकाल : जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों को बंधक बना दिया

लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब सत्ता के संरक्षण के लिए संविधान की आत्मा को कुचल दिया गया। यह आपातकाल केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं था, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मौलिक अधिकारों पर लगाया गया ऐसा ताला था, जिसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय पाने के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों को बंधक बना दिया। जी एम एस रोड स्थित एक होटल में संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस दिन देशभर में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और असहमति रखने वाले नागरिकों को जेलों में ठूंस दिया गया। अखबारों की सुर्खियां सरकारी सेंसरशिप की कैद में थीं और भय का ऐसा वातावरण निर्मित किया गया, जिसमें सच बोलना भी अपराध माना जाने लगा। इस तारीख को आपातकाल को 'संविधान की हत्या' और 'काला दिवस' के रूप में याद किया जाता है। यह वह दौर था जब लोकतंत्र का स्वर दबा दिया गया, लेकिन भारतीय जनमानस की स्वतंत्र चेतना को समाप्त नहीं किया जा सका। आपातकाल की स्मृति हमें यह चेतावनी देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रताओं, संवैधानिक मर्यादाओं और सत्ता पर जननियंत्रण से जीवित रहता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान करते हुए कहा तत्कालीन सरकार द्वारा सत्ता बचाने के लिए नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया तथा संविधान की मूल भावना को आघात

पहुंचाया गया। लोकतंत्र सेनानियों के त्याग, साहस और संघर्ष के कारण ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पुनः स्थापित हो सकी। उन्होंने सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए उनके संघर्ष को सदैव स्मरण रखा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आपातकाल के दौरान इन मूल अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया गया, किंतु देश की जागरूक जनता ने लोकतांत्रिक माध्यमों से इसका जवाब देते हुए लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय, राष्ट्र प्रथम तथा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के आधार पर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है। राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि को 16 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। साथ ही, आपातकाल के दौरान जेल गए लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके आश्रित जीवनसाथियों को विशेष पहचान-पत्र भी जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि लोकतंत्र की रक्षा, संविधान के सम्मान तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखते हुए विकसित भारत और श्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण में सभी अपना योगदान दें। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया तथा उनके संघर्ष और योगदान का स्मरण करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी,श्री खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्री उमेश शर्मा काऊ, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बिष्ट, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

●प्रस्तुति: देवकमल

योग बना वैश्विक जीवनशैली का आधार, भारत बना विश्व का पथप्रदर्शक

योग भारतीय संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है, जिसने हजारों वर्षों से मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह केवल शरीर को स्वस्थ रखने का अभ्यास नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने की एक समग्र जीवनशैली है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक शक्ति, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। यही कारण है कि आज योग भारत की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्तराष्ट्र से 69वें अधिवेशन में प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव का 175 सदस्य देशों ने समर्थन किया। संयुक्तराष्ट्र ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। यूनेस्को ने 2016 में योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की अपनी प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को देश भर में हजारों आयोजनों के माध्यम मनाया जाता है। लेकिन इसका मुख्य आयोजन हर साल एक अलग शहर में किया जाता है। मुख्य आयोजन की शुरुआत 2015 में नई दिल्ली के राजपथ से हुई थी। इसके बाद इसे चंडीगढ़, लखनऊ, देहरादून, रांची, मैसूरू, जबलपुर, श्रीनगर और विशाखापत्तनम में आयोजित किया जा चुका है। 11 आयोजनों के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक आयोजन से बदलकर निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वस्थ जीवन और आंतरिक संतुलन के लिए एक जन-आंदोलन बन चुका है। आज, इसे 190 से अधिक देशों में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का 12वां आयोजन 21 जून 2026 को मनाया गया और इस बार मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी कोलकाता में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की। इस वर्ष की थीम, 'स्वस्थ आयु के लिए योग' है जो विश्व भर में जीवन भर स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने पर विशेष ध्यान दिया गया है। ध्यान केवल जीवन के साल बढ़ाने से हटकर स्वस्थ रहने की अवधि, जीवन की गुणवत्ता और समग्र कल्याण को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गोपेश्वर (चमोली) में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों के साथ सहभागिता करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने हजारों वर्षों से मानवता को स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित जीवन जीने की दिशा प्रदान की है। आज योग वैश्विक जीवनशैली का आधार है और भारत बना विश्व का पथप्रदर्शक बन चुका है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली ऐसी समग्र जीवन-पद्धति है, जो व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और मानसिक शांति का संचार करती है।

उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, बढ़ते तनाव और अनेक शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों के बीच योग पूरी दुनिया के लिए स्वस्थ एवं सुखी जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। योग व्यक्ति को निरोग रहने के साथ-साथ आत्मअनुशासन, संयम और संतुलित जीवन भी प्रदान करता है। यही

कारण है कि आज विश्व के करोड़ों लोग योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा बना चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप योग को वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व सम्मान और पहचान मिली है। प्रधानमंत्री की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड समय में सर्वसम्मति से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपरा का विश्व स्तर पर सम्मान है। आज 21 जून को विश्व के लगभग हर देश में करोड़ों लोग योगाभ्यास कर भारतीय संस्कृति और "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना को आत्मसात कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि योग किसी एक वर्ग, आयु या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए समर्पित करे, तो वह न केवल स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकता है, बल्कि परिवार और समाज को भी स्वस्थ, जागरूक एवं सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। नियमित योगाभ्यास को अपनाकर हम एक स्वस्थ, निरोग, ऊर्जावान और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक उद्देश्य और भारतीय संस्कृति का शाश्वत संदेश भी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चंपावत में शारदा तट स्थित बनबसा योगमय हो उठा जब मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हजारों योग साधकों, जवानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के साथ सामूहिक योगाभ्यास कर प्रदेशवासियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज दुनिया के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग इससे जुड़े हैं। उन्होंने उत्तराखंड को योग, अध्यात्म और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बताया कि प्रदेश में योग नीति लागू की जा चुकी है, नए योग हब विकसित किए जा रहे हैं और आयुष केंद्रों में योग सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। युवाओं से विशेष अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जीवन का नियमित हिस्सा बनाकर नशामुक्त, स्वस्थ और सकारात्मक समाज के निर्माण में योगदान दें।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परेड ग्राउंड स्थित बहुदेशीय हॉल में आयुर्वेदिक यूनानी सेवाएँ, देहरादून द्वारा आयोजित योग शिविर में कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास, श्री सुबोध उनियाल और श्री सौरभ बहुगुणा ने प्रतिभाग किया। खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ के सुदूरवर्ती मिलम गांव में

स्थित आईटीबीपी 14वीं वाहिनी परिसर में हिमवीरों व स्थानीय जनता के साथ योग किया। इस दौरान उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल पदम् भूषण भगत सिंह कोश्यारी ने भी योगाभ्यास किया।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रांसी स्टेडियम पौड़ी में योग किया। डॉ. रावत ने लोगों से अपील की कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं, यह आपके स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन के लिए अति उत्तम है। गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संसद परिसर में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य सांसदों के साथ योगाभ्यास किया। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण ने कोटद्वार की पतंजलि योग समिति द्वारा मालवीय उद्यान में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों एवं योग साधकों के साथ योग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक जीवनशैली का भी आधार है। आइए, हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ, निरोग और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान दें।

●प्रस्तुतिः देवकमल

अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्यः जे.पी. नड्डा

सनातन परंपरा में समाहित है त्याग, सेवा और परमार्थ की भावनाः पुष्कर सिंह धामी

अंगदान मानवता का सर्वोच्च दान है। यह वह संकल्प है जो किसी व्यक्ति के जीवन के अंतिम पड़ाव के बाद भी कई जिंदगियों में नई आशा, नया भविष्य, और नई ऊर्जा भर सकता है। एक अंगदाता का हृदय किसी के सीने में धड़कता रहता है, उसकी आंखें किसी को दुनिया देखने का अवसर देती हैं और उसके अन्य अंग कई परिवारों के जीवन में खुशियां लौटा सकते हैं। आज जब हजारों मरीज अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं, तब अंगदान समाज के प्रति हमारी संवेदनशीलता, करुणा और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। यह ऐसा महादान है जो स्वयं के अस्तित्व को दूसरों के जीवन में अमर बना देता है। समाज में अभी भी अंगदान को लेकर अनेक भ्रांतियां और संकोच हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। यह समझना जरूरी है कि अंगदान पूरी तरह वैज्ञानिक, सुरक्षित और मानवीय प्रक्रिया है। एक जागरूक नागरिक के रूप में यदि हम अंगदान का संकल्प लें और इसके प्रति लोगों को प्रेरित करें, तो असंख्य जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। अंगदान का निर्णय केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उसकी संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार में दधीचि अंगदान संकल्प अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा की उपस्थिति में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर देशभर से आए विशेषज्ञों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं साधकों ने अंगदान के महत्व पर विचार रखे तथा अनेक लोगों ने मानव सेवा के लिए अंगदान का संकल्प लिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है, जिसके माध्यम से गंभीर रूप से जरूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंगदान को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से समझने की आवश्यकता है। भारत सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। अंगदान एवं प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत ढांचे को विकसित किया गया है और राज्यों में भी अंगदान से जुड़े संगठनों को सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से देश में अंगदान की संख्या में वृद्धि हुई है और जनभागीदारी से इसे एक व्यापक जनआंदोलन बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति त्याग, समर्पण, सेवा और परमार्थ की महान परंपरा पर आधारित रही है। महर्षि दधीचि के त्याग का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने

मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपनी अस्थियों तक का दान कर दिया था। इसी प्रकार राजा शिवि द्वारा एक पक्षी की रक्षा के लिए अपने शरीर का अंश अर्पित करने की कथा भारतीय संस्कृति में करुणा और परोपकार की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भी यदि शरीर का कोई अंग किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है, तो इससे बड़ा मानव कल्याण का कार्य कोई नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, चिकित्सा ढांचे के विकास और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अंगदान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों, प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग तथा संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। दून मेडिकल कॉलेज में राज्य के प्रथम सरकारी ऊतक प्रत्यारोपण केंद्र के निर्माण सहित अंग प्रत्यारोपण केंद्रों, अंग बैंक और जिला स्तरीय अंगदान केंद्रों के नेटवर्क को विकसित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर अंग उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने गायत्री परिवार द्वारा एक शताब्दी से आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने आध्यात्मिक चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सरल रूप में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। उनका संदेश 'हम बदलेंगे तो युग बदलेगा' समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का मेरुदण्ड है। यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, सहयोग, कर्तव्यबोध और लोकमंगल की भावना को जागृत करने वाली जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए अपने समय, श्रम और संसाधनों का समर्पण ही यज्ञ की वास्तविक भावना है।

इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन मंत्री श्री मदन कौशिक, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी दयामूर्त्यानंद जी, डॉ. अनिल कुमार, पद्मश्री नीलेश मांडलेवाला, डॉ. विजय धस्माना सहित अनेक विशेषज्ञों ने अंगदान के वैज्ञानिक, सामाजिक एवं कानूनी पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। शांतिकुंज के आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिभागियों को अंगदान का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्री ओमप्रकाश जमदग्नि, प्रो. मीनू सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, पत्रकार, गणमान्य नागरिक एवं देशभर से आए साधक उपस्थित थे। ●**प्रस्तुतिः देवकमल**

135वां संस्करण

मन की बात

'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों से दिल की बात की। पीएम श्री मोदी ने कहा कि साल 2026 के शुरुआती 6 महीनों में भारत ने कई बड़ी अचीवमेंट्स हासिल की हैं। उन्होंने देश और दुनिया के वर्तमान हालात पर बात करते हुए कहा कि समुद्र से लेकर आसमान तक भारत पूरी तरह सुरक्षित है। भारत आज इतना मजबूत है कि हम सब मिलकर हर वैश्विक संकट का डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि जून के महीने में भारत को डिफेंस और एविएशन सेक्टर में बड़ी कामयाबी मिली है। कोलकाता में नौ-सेना के एक इवेंट के दौरान तीन नए स्वदेशी जहाजों आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। खास बात यह है कि इनकी डिजाइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सब कुछ 'मेड इन इंडिया' है। इसके साथ ही, भारत में बन रहे सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। ऐसे 40 विमान भारत में ही तैयार हो रहे हैं, जिससे एयरोस्पेस सेक्टर और एमएसएमई को काफी बढ़ावा मिल रहा है और युवाओं के लिए नौकरियों के नए मौके खुल रहे हैं।

पीएम की अपील पर जनता का सपोर्टः पीएम मोदी ने सोना न खरीदने और पेट्रोल-डीजल बचाने की अपनी अपील पर जनता से मिले प्रतिक्रिया की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मैं देश के हर नागरिक का आभरी हूं कि उन्होंने मेरी इस मुहिम का खुलकर समर्थन किया।' कई परिवारों ने पीएम के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने घर की शादियों में नया सोना न खरीदकर पुराने सोने को ही रिसाइकल करने का फैसला किया है। वहीं, प्रदूषण और पेट्रोल बचाने के लिए लोग अब बड़े पैमाने पर कार पूलिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने विधानसभा धर्मपुर के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के बूथ संख्या 35 में कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। इस अवसर पर श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त बनाने का प्रभावी मंच है। प्रधानमंत्री जी के विचार देशवासियों को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने प्लास्टिक मुक्त

भारत के अभियान, जन-जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' एवं 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर अपने प्रेरक विचार साझा किए। श्री भट्ट ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देश के करोड़ों लोगों को सकारात्मक सोच, सामाजिक चेतना और राष्ट्रसेवा के संकल्प से जोड़ने का कार्य कर रहा है

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रुड़की में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 135वें संस्करण को सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम जनभागीदारी को सशक्त बनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश के विभिन्न भागों में

जनसहयोग से हो रहे प्रेरणादायी कार्यों, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन, नवाचार, युवाओं की सहभागिता तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा करते हुए नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश 'सबका प्रयास' की भावना को और अधिक सशक्त करते हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जनकल्याण, सुशासन, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन तथा सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर राज्य सभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी, परिवहन मंत्री श्री प्रदीप बत्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत श्री किरण चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा श्रीमती मधु सिंह, मेयर नगर निगम रुड़की श्रीमती अनीता अग्रवाल, राज्यमंत्री श्री देशराज कर्णवाल, श्री श्यामवीर सैनी, श्री आदेश सैनी, श्री शोभाराम प्रजापति, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश गिरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष, सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को सुना।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को प्रदेशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सुना गया। इस क्रम में रुद्रपुर विधानसभा के वार्ड संख्या-16 भदईपुरा स्थित बूथ संख्या-104 पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं कार्यक्रम सुना। यह कार्यक्रम मंडल उपाध्यक्ष श्री जगदीश मौर्य के आवास पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नेत्रपाल मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी विचार राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी, सेवा, स्वावलंबन और सामाजिक समरसता के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष श्री रवि रस्तोगी, जिला महामंत्री श्री अजय मौर्य, जिला महामंत्री श्री संतोष, मंडल अध्यक्ष श्री सौरभ गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष श्री रविंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष श्री एस.पी. यादव, श्री प्रदीप मौर्य, पूर्व पार्षद श्रीमती गरिमा खरवाल, श्रीमती हेमलता मौर्य, श्रीमती पूनम मौर्य आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इसी क्रम में देहरादून कैंट विधानसभा के बूथ संख्या-123, कुमार मंडी में भी 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक श्री पवन भारद्वाज, पार्षद श्री संजय सिंघल तथा शक्ति केंद्र संयोजक श्री पंकज कुमार प्रजापति, श्री धर्मेंद्र, श्री अजय आहूजा, श्री अनुराग क्षेत्री, श्रीमती संतोष देवी, श्रीमती दीक्षा सिन्हा, श्रीमती रंजीता गुप्ता, श्री कमल शर्मा, श्री सोनू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री के विचारों को प्रेरणादायी बताते हुए उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए मार्गदर्शक बताया। ●**प्रस्तुतिः सत्यवीर सिंह चौहान**

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण तक, संघ शिक्षा वर्ग ने गढ़े सेवा और समर्पण के संस्कार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखंड प्रांत द्वारा आयोजित 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग (महाविद्यालयीन विद्यार्थी एवं तरुण व्यवसायी/विशेष वर्ग) का समापन समारोह विकासनगर स्थित दि हिमालयन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के वातावरण के बीच संपन्न हुआ। यज्ञ-हवन के साथ प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण वर्ग का समापन स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत शारीरिक और बौद्धिक कौशल के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षार्थियों ने राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हुए समाज और राष्ट्र जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल जयवीर सिंह नेगी उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख श्री प्रदीप थे। अपने संबोधन में उन्होंने वर्तमान वैश्विक और राष्ट्रीय परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के समक्ष आज बाह्य और आंतरिक दोनों प्रकार की चुनौतियाँ विद्यमान हैं। पाकिस्तान और चीन के साथ लगी सीमाओं की संवेदनशीलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सजगता और उत्तरदायित्व से भी जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि तकनीक, सूचना, अर्थव्यवस्था और साइबर क्षेत्र भी राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आयाम बन चुके हैं। ऐसी परिस्थितियों में आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए अपनी बौद्धिक और तकनीकी क्षमता को और अधिक सशक्त बनाना होगा। श्री प्रदीप ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता में निहित होती है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को समझें, उसके मूल्यों को जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाएं। उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहें तथा समाज जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित 'पंच परिवर्तन' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता ऐसे पाँच प्रमुख आयाम हैं, जिनके माध्यम से भारत को परम वैभव के शिखर तक पहुंचाया जा सकता है। समारोह के दौरान शिक्षार्थियों ने दंड युद्ध, योगासन, सूर्य नमस्कार, नियुद्ध तथा सामूहिक समता जैसे विविध शारीरिक कार्यक्रमों का उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण, अनुशासन और समर्पण की झलक दिखाई, जिसे उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत सराहा।

वर्ग के सर्वव्यवस्था प्रमुख श्री संदीप महावर ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 15 दिवसीय इस संघ शिक्षा वर्ग में उत्तराखंड के 13 जिलों से कुल 306 शिक्षार्थियों ने सहभागिता की। इनमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 144 महाविद्यालयीन छात्र एवं तरुण व्यवसायी शामिल रहे, जबकि विशेष वर्ग में 40 से 65 वर्ष आयु वर्ग के 162 सेवानिवृत्त शिक्षक, कर्मचारी, व्यवसायी एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनुभवी नागरिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह में जिला संचालक श्री देवराज, वर्ग सर्वाधिकारी श्री लोकपाल, वर्ग कार्यवाह श्री रविन्द्र, श्री चंदन, वर्ग पालक श्री मनोहर, श्री राकेश बडोनी, सह विभाग प्रचारक श्री सौरभ, सह प्रांत प्रचारक श्री चंद्रशेखर, प्रांत समरसता प्रमुख श्री राजेंद्र पंत, विभाग प्रचार प्रमुख श्री गजेंद्र खंडूरी, मुख्य शिक्षक श्री राहुल, श्री पूरण तथा सह मुख्य शिक्षक श्री रमेश और श्री कमल सहित संघ के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता तथा मातृशक्ति की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

●प्रस्तुतिः देवकमल

संगठन की ताकत बना प्रशिक्षण अभियान, उत्तराखंड भाजपा ने देशभर में हासिल किया पहला स्थान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत उत्तराखंड में आयोजित जिला एवं मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों ने संगठनात्मक दृष्टि से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिला श्रेणी के प्रशिक्षण वर्गों में उत्तराखंड भाजपा ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्गों में भी प्रदेश ने अपने जोन में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला एवं मंडल प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा बैठक में प्रशिक्षण अभियान के जोनल प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद श्री अमरपाल मौर्य तथा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने प्रदेश के सभी 19 संगठनात्मक जिलों और 304 मंडलों में संपन्न प्रशिक्षण वर्गों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रशिक्षण से जुड़े पदाधिकारियों और टोली सदस्यों से जमीनी स्तर की फीडबैक भी प्राप्त की गई।

इस अवसर पर श्री अमरपाल मौर्य ने कहा कि उत्तराखंड में जिला एवं मंडल स्तर का प्रशिक्षण अत्यंत प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ है। यही कारण है कि प्रदेश ने जिला स्तरीय प्रशिक्षण में पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्य से जुड़े पदाधिकारियों की भूमिका एक कुम्हार के समान होती है, जो मिट्टी को आकार देकर उसे उपयोगी बनाता है। उसी प्रकार प्रशिक्षण टोली ने संगठन के कार्यकर्ताओं को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अब इन प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की क्षमता और सामर्थ्य के बल पर संगठन को आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की हैट्रिक लगाने का लक्ष्य प्राप्त करना है। साथ ही उन्होंने भविष्य में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए श्री मौर्य ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वाधिक समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक साधारण परिवार और सामान्य ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 4,399 दिनों के कार्यकाल का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, किसान, युवा, महिला और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए समावेशी विकास की नीति को सफलतापूर्वक लागू किया है। उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस विशेष अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मंदिरों में जाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ और यशस्वी जीवन की कामना की है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि जिला एवं मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्गों के सफल समापन के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की गई है, जिसमें प्रशिक्षण वर्गों के प्रभारी और संबंधित पदाधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा उनकी विशेषताओं और उपलब्धियों पर चर्चा हुई।

श्री भट्ट ने कहा कि पूरे देश में प्रशिक्षण वर्गों के संचालन में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त होना संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, अनुशासन और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रदेशभर के सभी कार्यकर्ताओं, प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण टोली के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यही संगठनात्मक शक्ति भविष्य में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाएगी।

समीक्षा बैठक में प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, श्रीमती दीप्ति रावत, श्री तरुण बंसल, दायित्वधारी श्री ज्योति प्रसाद गैरोला, प्रदेश मंत्री श्रीमती नेहा जोशी, प्रदेश कार्यालय सचिव श्री जगमोहन रावत, आईटी संयोजक श्री प्रवीण लेखवार, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक श्री हिमांशु संगथानी सहित प्रशिक्षण वर्गों से जुड़े अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

●प्रस्तुतिः देवकमल

राष्ट्र प्रथम की राजनीति के प्रेरणास्रोत थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: नरेश बंसल

125वीं जयंती पर भाजपा ने दी वैचारिक श्रद्धांजलि, बंगाल और कश्मीर में उनके योगदान को किया याद

भारतीय जनता पार्टी परिवार ने अपने प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक एवं संरक्षक स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी वैचारिक श्रद्धांजलि अर्पित की। समर्पण पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेशभर में बूथ स्तर तक आयोजित कार्यक्रमों में उनके राष्ट्रवादी चिंतन, देश की एकता एवं अखंडता के लिए किए गए संघर्ष तथा जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार और आदर्श आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को दिशा प्रदान कर रहे हैं।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष श्री नरेश बंसल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्रवादी राजनीति के प्रणेता, प्रख्यात शिक्षाविद, न्यायविद, चिंतक, समाज सुधारक और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बनने वाले डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा जगत में अनेक ऐतिहासिक सुधारों की नींव रखी और भारतीय शिक्षा को नई दिशा देने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और भारत की सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी विशिष्ट पहचान दिलाई। बंगाल के विभाजन के दौर में उन्होंने जो संघर्ष किया, उसी का परिणाम है कि आज पश्चिम बंगाल और कोलकाता भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। श्री बंसल ने कहा कि यदि उस समय डॉ. मुखर्जी दृढ़ता के साथ खड़े न होते, तो आज भारत का भूगोल और इतिहास दोनों अलग हो सकते थे।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की इच्छा पर डॉ. श्यामा प्रसाद

मुखर्जी और डॉ. भीमराव अंबेडकर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। केंद्रीय उद्योग मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश के औद्योगिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी। किंतु जब नेहरू-लियाकत समझौते के कारण पूर्वी पाकिस्तान में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति लगातार दयनीय होती गई, तब उन्होंने सत्ता और पद की परवाह किए बिना सिद्धांतों को प्राथमिकता दी तथा मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। यह निर्णय उनके राष्ट्रहित और मानवाधिकारों के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण था।

श्री बंसल ने कहा कि पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न झेल रहे हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों की पीड़ा को डॉ. मुखर्जी ने जिस संवेदनशीलता के साथ महसूस किया, उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लेकर आई, ताकि प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को न्याय और सम्मानजनक जीवन मिल सके। उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार पर आधारित भारतीय जनसंघ की स्थापना की। जनसंघ द्वारा बोए गए राष्ट्रवादी विचारों के उसी बीज ने आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी का स्वरूप ग्रहण किया, जो आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन बन चुका है।

कश्मीर के संदर्भ में डॉ. मुखर्जी के योगदान को स्मरण करते हुए श्री बंसल ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर में लागू 'दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' की व्यवस्था का पुरजोर विरोध किया था। उनका मानना था कि एक देश में दो व्यवस्थाएं राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत हैं। इसी उद्देश्य से वे बिना परमिट जम्मू-कश्मीर गए और वहां रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया। स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वे प्रथम नेताओं में से एक थे।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के बलिदान के बाद जनसंघ ने संकल्प लिया था कि कश्मीर को पूर्ण रूप से भारत की मुख्यधारा में लाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के माध्यम से उस संकल्प का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अनुच्छेद 370 हटाने पर अशांति और हिंसा की आशंका जताई थी, आज वही कश्मीर शांति, विकास और राष्ट्रीय एकता का नया उदाहरण बन रहा है। घाटी में तिरंगा गर्व के साथ लहराया जा रहा है और विकास की नई धारा बह रही है।

श्री बंसल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का चिंतन केवल राष्ट्रवाद तक सीमित नहीं था, बल्कि उसका मूल उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना था। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाएं उसी विचारधारा का विस्तार हैं। 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न, करोड़ों परिवारों को नल से जल, 10 करोड़ से अधिक उज्ज्वला गैस कनेक्शन, किसानों को सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार तथा जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाओं की उपलब्धता जैसे कदम अंत्योदय और जनकल्याण के उसी दर्शन को साकार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी, जनकल्याणकारी और सांस्कृतिक मूल्यों को अपने संकल्प के रूप में लेकर आगे बढ़ रही है। उनके विचार आज भी संगठन और सरकार दोनों के लिए मार्गदर्शक हैं तथा विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर टिहरी सांसद महारानी माला राज्यलक्ष्मी शाह, प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री पुनीत मित्तल, प्रदेश कार्यालय सचिव श्री जगनमोहन रावत, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनवीर चौहान, श्री राकेश गिरी, श्रीमती नेहा जोशी, डॉ. देवेंद्र भसीन, श्री अशोक वर्मा, श्रीमती मधु भट्ट, श्री धीरेंद्र पुंडीर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विशिष्टजन उपस्थित थे।

●प्रस्तुतिः सत्यवीर सिंह चौहान

सशक्त बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और डिजिटल संवाद से मजबूत होगा संगठनः नेत्रपाल मौर्य

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ऊधमसिंह नगर की संगठनात्मक बैठक

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ऊधमसिंह नगर की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिला कार्यालय रुद्रपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए जनता के बीच पार्टी की पहुंच को और प्रभावी बनाने पर विस्तृत मंथन किया गया। बैठक में संगठन के विस्तार और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नैत्रपाल मौर्य तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला प्रभारी श्री पवन भारद्वाज और प्रदेश कुमाऊं सह-संयोजक एवं जिला सह प्रभारी श्री विनोद जायसवाल उपस्थित थे। उनके मार्गदर्शन ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री रवि रस्तोगी ने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और ओबीसी मोर्चा इस शक्ति का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। ऊधमसिंह नगर का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर सक्रिय रहें और जनसंपर्क को और अधिक प्रभावी बनाएं।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री नैत्रपाल मौर्य ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत संगठनात्मक संरचना होती है। भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी इसलिए बनी है क्योंकि उसके कार्यकर्ता विचारधारा और संगठन के प्रति समर्पित होकर कार्य करते हैं। उन्होंने सभी मंडल प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय और संवाद को मजबूत बनाते हुए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम तैयार करें। उन्होंने कहा कि बूथ ही संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और यदि बूथ मजबूत होगा तो संगठन स्वतः सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह सरकार की उपलब्धियों और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाए।

मोर्चा के जिला प्रभारी श्री पवन भारद्वाज ने अपने संबोधन में वर्तमान समय में सूचना एवं संचार तकनीक की बढ़ती भूमिका पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया जनमत निर्माण का एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। ऐसे में संगठन के सोशल मीडिया प्रभारियों और सह-प्रभारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सकारात्मक और प्रभावी उपयोग करते हुए सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं तथा संगठन की गतिविधियों को आम जनता तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा फैलाए जाने वाले भ्रामक और तथ्यहीन प्रचार का तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर मजबूती से जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के जरिए संगठन की पहुंच को घर-घर तक विस्तारित किया जा सकता है और युवा वर्ग को भी बड़ी संख्या में जोड़ा जा सकता है।

प्रदेश कुमाऊं सह-संयोजक एवं जिला सह प्रभारी श्री विनोद जायसवाल ने संगठनात्मक कार्यों में प्रभारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती केवल बैठकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने सभी प्रभारियों से अपने-अपने मंडलों में प्रवास करने, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुनने का आग्रह किया।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री श्री संतोष चन्द एवं श्री अजय मौर्य ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री श्री राजेश जायसवाल, श्री अनिल चंद, श्री सत्यप्रकाश यादव, जिला मंत्री श्री सचिन रस्तोगी, श्रीमती मीना शर्मा, श्री योगेंद्र चौधरी, श्री राकेश लोधी, श्री राज कुमार चौहान, श्री मुकेश राठौर, श्री अनूप कुमार, श्री संजय कुमार, श्री सतपाल गंगवार, श्री कमलपाल, श्री सौरभ गुप्ता, श्री रितिक कश्यप, श्री चंद्रपाल गंगवार, श्री मंगल सिंह, श्री राम अवतार गुप्ता, श्री रमेश चंद्र रामा, श्री महेंद्र गंगवार, श्री गौरव जायसवाल, सहित मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, प्रभारी, सोशल मीडिया प्रभारी एवं सह-प्रभारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे थे। ●प्रस्तुतिः देवकमल

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत ने जनकल्याण के नए मानक स्थापित किए हैं : अमित शाह

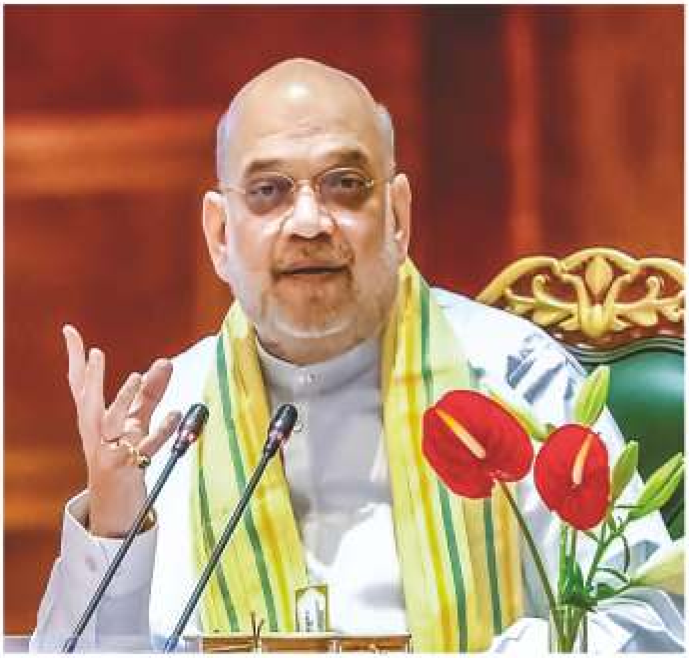

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक में मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने राजनीतिक स्थिरता, निर्णायक नेतृत्व, मजबूत विदेश नीति, पारदर्शी शासन, तीव्र आर्थिक विकास और जनकल्याण के नए मानक स्थापित किए हैं। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्वकारी भारत के निर्माण का आधार बना है। कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन और एनडीए के सभी वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि 2020 में जब मैं देश के गृह मंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब कोरोना का वैश्विक संकट आया। उस वक्त मोदीजी ने सामूहिक नेतृत्व का परिचय देते हुए न केवल केंद्र सरकार और उसके सभी विभागों को, बल्कि सभी राज्य सरकारों तथा 140 करोड़ देशवासियों को साथ लेकर इतने बड़े संकट से देश को बाहर निकालने का कार्य किया। मोदी जी के नेतृत्व में भारत उन देशों में शामिल हुआ, जिन्होंने सबसे पहले वैक्सीन विकसित की। भारत की कोरोना के विरुद्ध लड़ाई को मॉडल क्राइसिस मैनेजमेंट के रूप में देखा जाने लगा। आज विश्व भर से लोग भारत द्वारा कोरोना संकट के प्रबंधन का अध्ययन करने के लिए आ रहे हैं। चाहे डोकलाम की घटना हो, रूस-यूक्रेन का युद्ध हो या अमेरिका-ईरान के बीच तत्कालीन तनाव, विश्व को झकझोर देने वाली इन सभी घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिर भाव से भारत के हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को केवल एक राजनीतिक गठबंधन के रूप में नहीं रहने दिया, बल्कि उसे देश की चिंता करने वाले राजनेताओं और संवेदनशील राजनीतिक दलों के एक समूह के रूप में विकसित किया। आज एनडीए 22 सरकारों, 292 लोकसभा सांसदों, 144 राज्यसभा सांसदों, 2315 विधायकों तथा 222 से अधिक विधान परिषद् सदस्यों के साथ देश के लगभग 80 प्रतिशत भूभाग और 76 प्रतिशत आबादी पर शासन कर रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों के यशस्वी कार्यकाल का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संवेदनशील नेतृत्व में मात्र 12 वर्षों के भीतर 25 करोड़ लोगों तक घरों में बिजली, शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई गईं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए बैंक खाते खोले गए, प्रति माह 5 किलोग्राम मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई, 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 3 करोड़ लोगों तक पहली बार बिजली पहुंचाने का कार्य भी किया गया। आज 3 करोड़ लखपति दीदी इस संवेदनशीलता का अनुभव कर रही हैं। हमने स्वयं अनेक चुनाव अभियानों के दौरान गरीबों को यह कहते हुए सुना है कि भारत में गरीबों के प्रति इतनी संवेदनशीलता रखने वाला प्रधानमंत्री पहले कभी नहीं आया।

उन्होंने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का ही परिणाम है। देश के सामने अनेक ऐसी समस्याएं थीं, जिन्हें

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया एनडीए सरकार के 12 वर्ष पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 09 जून, 2026 को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित 'माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 12 साल' को प्रदर्शित करने वाली' विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, श्री दुष्यंत गौतम और श्री तरुण चुघ, भाजपा दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा तथा लोकसभा सांसद डॉ. संजय जायसवाल भी उपस्थित रहे।

श्री नवीन ने विशेष प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों का अवलोकन

इस विशेष प्रदर्शनी में गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के लिए नए अवसर, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा 'विकसित भारत' के संकल्प से जुड़े प्रमुख कार्यों को दर्शाया गया है

किया। इस विशेष प्रदर्शनी में गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के लिए नए अवसर, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा 'विकसित भारत' के संकल्प से जुड़े प्रमुख कार्यों को दर्शाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए मानक स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का अभूतपूर्व कार्य किया गया है। महिलाओं, युवाओं, किसानों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्गों तथा वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक पहल की गई हैं। आज भारत आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक नागरिक इस परिवर्तनकारी यात्रा का सहभागी बन रहा है। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर झंडेवालान देवी मंदिर में पूजा-अर्चना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 10 जून, 2026 को नई दिल्ली के प्रसिद्ध झंडेवालान देवी मंदिर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने के ऐतिहासिक अवसर पर आदिशक्ति मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना की। श्री नवीन ने इस पावन अवसर पर मां के चरणों में श्रद्धापूर्वक शीश नवाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, लोकसभा सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज तथा राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख श्री संजय मयूख भी उपस्थित रहे।

पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदीजी ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनमें गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है

श्री नितिन नवीन ने कहा कि एक गरीब परिवार से आने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा गरीबों की चिंता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं। पिछले 12 वर्षों में उन्होंने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनमें गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन, उनका संघर्ष, समर्पण और राष्ट्रसेवा का भाव हम सभी के लिए प्रेरणा और अनुकरणीय उदाहरण है। प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। ■

उन्होंने सहजता से और व्यापक सहमति के साथ समाप्त करने का कार्य किया तथा अनेक मामलों में लोगों को इसका आभास भी नहीं हुआ कि इतने बड़े परिवर्तन कितनी सरलता से संभव हो गए। धारा 370 और 35ए को हटाना, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करना, वर्षों से शरणार्थी के रूप में रह रहे लोगों को भारतीय नागरिकता की पहचान प्रदान करने के लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना तथा 160 वर्ष पुराने अंग्रेजों के कानूनों को समाप्त कर भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को लागू करना, ऐसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय रहे हैं। नक्सलमुक्त भारत का संकल्प अपने आप में ऐसा लक्ष्य था, जिसे सुनकर अनेक लोगों को आश्चर्य होता था कि यह कैसे संभव होगा। लेकिन देखते ही देखते दशकों पुरानी नक्सलवाद की समस्या काफी हद तक समाप्ति की ओर बढ़ी और वह पूरा क्षेत्र आज विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों ने न केवल भारत की सुरक्षा नीति को नई दिशा दी, बल्कि अनेक देशों की रक्षा नीति को भी नया दृष्टिकोण प्रदान करने का कार्य किया है। इसके साथ ही सहकारिता मंत्रालय का गठन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन से जुड़े विभागों को सशक्त बनाने की पहल, किसानों को 50 प्रतिशत लाभकारी मूल्य पर आधारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा कृषि और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ विकास ने मोदीजी को किसानों का प्रिय नेता बनाया है।

श्री शाह ने कहा कि भारत, जो कभी 'फ्रेजाइल फाइव' का हिस्सा माना जाता था, आज विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। जनधन-आधार-मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी, रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), निवेश को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम मोदीजी की दूरदर्शी सोच के उदाहरण हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से मातृशक्ति को सम्मान और नीति निर्माण में उचित स्थान देने का कार्य किया गया है। हमें विश्वास है कि एनडीए द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का जो संकल्प लिया गया है, वह भी मोदीजी के नेतृत्व में पूर्ण होगा।

उन्होंने कहा कि जनजातीय विकास के क्षेत्र में एकलव्य विद्यालय, पीएम जनमन, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम तथा बस्तर क्षेत्र के विकास जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। आज रामलला भव्य और गगनचुंबी मंदिर में विराजमान हैं, जो करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए गौरव का विषय है। मोदीजी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और केदार धाम का पुनर्निर्माण एवं पुनर्विकास किया गया। जिन लोगों ने संसद को सेंगोल विहीन किया था, उनकी उपस्थिति में संसद भवन में पवित्र सेंगोल की पुनः स्थापना कर यह संदेश दिया गया कि यह देश अपनी भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद गगनयान मिशन, मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में बढ़ते कदम तथा स्पेस स्टार्टअप्स की सक्रिय भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है।

श्री शाह ने कहा स्टार्टअप, पीएम गति शक्ति योजना की कल्पना, राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा के मिशन, ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात के लिए पीएलआई योजना, सागरमाला और अंतरदेशीय जलमार्ग जैसी पहलों ने देश को आने वाले तीन दशकों के लिए विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने का काम किया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद की स्थापना, वन रैंक वन पेंशन के माध्यम से सेना के जवानों का कल्याण तथा वैक्सीन मित्र नीति के माध्यम से वैश्विक संकट के समय भारत की एक विश्वसनीय मित्र की छवि को दुनिया भर में स्थापित करने का कार्य भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। इसी का परिणाम है कि 32 से अधिक देशों ने अपना सर्वोच्च सम्मान प्रदान कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारत को सम्मानित करने का गौरव प्राप्त किया है। साथ ही, 38 देशों ने भारत के साथ व्यापारिक समझौते कर हमारे व्यापार के नए मार्ग खोले हैं और भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का एक बड़ा अवसर प्रदान किया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अथक प्रयासों से 25 वर्षों तक बिना एक भी दिन का अवकाश लिए लगातार 18 से 20 घंटे कार्य किया है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में कभी भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगने दिया और अपने परिवार तक सीमित रहने के बजाय पूरे देश को अपना परिवार माना। मोदीजी के नेतृत्व, उनके कार्यकाल और उनकी उपलब्धियों की सभी लोग हृदय से प्रशंसा और अनुमोदन करते हैं तथा उन्हें प्रेरणा का स्रोत मानते हैं। श्री शाह ने पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि सभी की यही कामना है कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु प्रदान करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लंबे समय तक देश का नेतृत्व करते रहें और उनके नेतृत्व में 'विकसित भारत', आत्मनिर्भर भारत तथा गौरवशाली भारत की संकल्पना को साकार किया जाए। ■

मुख्य बिंदु

- **मोदीजी का स्थिरता, निरंतरता और निर्णायक नेतृत्व भारतीय इतिहास का स्वर्णिम कालखंड है**
- **दशकों पुरानी नक्सलवाद, आतंकवाद और धारा 370 आदि की समस्या को 12 वर्षों में समाप्त किया**
- **मोदीजी का एक साधारण परिवार से निकलकर 25 वर्षों तक लगातार जनता का विश्वास प्राप्त करना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का प्रमाण है**

लेख

भारत का सांस्कृतिक पुनरोद्धार काल

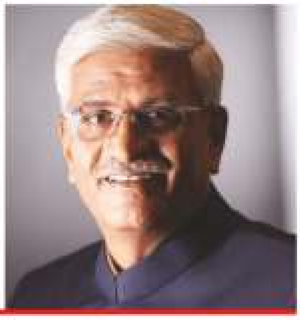

गजेन्द्र सिंह शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

भारत आज विकास के विभिन्न आयामों में तेज गति से प्रगति कर रहा है। अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भौतिक प्रगति के इन आयामों में आगे बढ़ते हुए यह भी आवश्यक है कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति, इतिहास, धरोहर और विरासत को विस्मृत ना करें। भारत विश्व की प्राचीनतम जीवंत संस्कृतियों में से एक है, शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के साथ चले संघर्ष में देश में राजनीतिक सत्ता में परिवर्तन आता रहा, लेकिन भारत अपनी संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सफलतापूर्वक स्थानांतरित करता रहा। इन वर्षों में हुई राजनीतिक उथल-पुथल में हमारे अनेक उपासना स्थल, ग्रंथ, पुस्तकालय, विश्वविद्यालयों का विध्वंस किया गया, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराएं फिर भी जीवित रहीं। सांस्कृतिक भारत पर दूसरी चोट हमारी शिक्षा पद्धति को बदलने से हुई, जिसके द्वारा हमारे अंतर्मन में अपनी संस्कृति के प्रति हीन भावना उत्पन्न करने के प्रयास हुए।

वर्ष 2014 से भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के साथ साथ सांस्कृतिक रूप से भी एक बड़ी करवट ली, जिसे हम संस्कृति के पुनरोद्धार के आरंभ का वर्ष भी कह सकते हैं। सांस्कृतिक भारत आज अपने गौरवशाली अतीत को पुनः स्मरण करते हुए उसके वैभव, उसकी भव्यता को ना सिर्फ पुनर्स्थापित कर रहा है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी वह संस्कृति पुनः स्थापित हो रही है। आज हमारे उत्सव, प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक, खान-पान, वस्त्र, कला, नृत्य, संगीत, शास्त्र, शिल्प वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं।

भारतीय संस्कृति की बढ़ती स्वीकार्यता

पिछले 12 वर्षों में विश्व में भारतीय संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ी है। आज पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस मना रहा है। ये सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, अपितु यह प्राचीन भारतीय दर्शन है, जिसे विश्व ने मान्यता दी। मानव जीवन में उसकी उपयोगिता को देखते हुए उसे अपनाया। आज विश्व के अनेक देशों से हमारी धरोहरें वापस देश में लौटीं हैं, जिनकी संख्या भी एक रोचक तथ्य है। वर्ष 2013 से पूर्व मात्र 13 धरोहरों को विदेशों से भारत लाया गया था, जबकि पिछले 12 वर्षों में 640 से अधिक धरोहरें विदेशों से भारत लौटी हैं। ये दर्शाता है कि संस्कृति में सिर्फ परंपराएं ही नहीं, अपितु संस्कृति के प्रतीक चिह्नों को वापस लाने के प्रति भी हमने गंभीरता दिखाई है। ये प्रतीक चिह्न हमारे लिए गौरव का विषय हैं, जो हमारे पूर्वजों की कला, शिल्प और विभिन्न विषयों के ज्ञान की निशानियां हैं, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है।

दुर्गा पूजा और दीपावली जैसे हमारे सामाजिक उत्सवों को यूनेस्को ने विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। यह मान्यता मात्र उत्सवों को ही नहीं, अपितु इनके पीछे छुपे उन संदेशों को भी मिली है, जो बताती है कि असत्य पर सदैव सत्य की विजय होती है, बुराई हमेशा अच्छाई से पराजित होती है। हमारे प्राचीन इतिहास को भी आज यूनेस्को ने स्वीकारा है। उसका प्रमाण है कि भारत 44 विश्व धरोहर स्थलों के साथ ही विश्व में छटें और एशिया में दूसरे स्थान पर है। यह धरोहरें हमारी विरासत की प्रतीक हैं, जिन्हें देखकर भारतीयों को अपनी संस्कृति और इतिहास का परिचय मिलता है और उस पर गर्व होता है।

भूले और बिखरे ज्ञान का पुनर्संकलन

भारत एक लंबे समय तक विदेशी आक्रांताओं के साथ संघर्षरत रहा है। ज्ञान और संस्कृति का सम्मान न करने वाले इन विदेशी आक्रमणकारियों ने देश के ज्ञान की अमूल्य विरासत रहे हमारे विश्वविद्यालय, गुरुकुल और पांडुलिपियों में लिखित ज्ञान को नष्ट करने के प्रयास किए। एक लंबे कालखंड में हमारी ज्ञान परंपरा की अमूल्य निधि पांडुलिपियां विभिन्न मठों, मंदिरों, संस्थानों और घरों में संरक्षित की गईं, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। ये दुःख का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद भी इन्हें संकलित कर प्राचीन ज्ञान को पुनः प्राप्त करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

आज विश्व के अनेक देशों से हमारी धरोहरें वापस देश में लौटीं हैं, जिनकी संख्या भी एक रोचक तथ्य है। वर्ष 2013 से पूर्व मात्र 13 धरोहरों को विदेशों से भारत लाया गया था, जबकि पिछले 12 वर्षों में 640 से अधिक धरोहरें विदेशों से भारत लौटी हैं। ये दर्शाता है कि संस्कृति में सिर्फ परंपराएं ही नहीं, अपितु संस्कृति के प्रतीक चिह्नों को वापस लाने के प्रति भी हमने गंभीरता दिखाई है। ये प्रतीक चिह्न हमारे लिए गौरव का विषय हैं

आज भारत में देश की प्राचीन संस्कृति के वाहक रहे काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक कॉरिडोर, केदारनाथ, सोमनाथ सहित विभिन्न मंदिरों और तीर्थनगरियों का व्यापक विकास किया गया है, श्रद्धालुओं के लिए वहां सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति जागरुकता भी आई। आज इन स्थानों पर आने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान का प्रतीक है

आज संपूर्ण देश में ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के तहत इन पांडुलिपियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि समस्त भारत से अब तक 88 लाख से अधिक पांडुलिपियां प्राप्त हो चुकी हैं। इस ज्ञान को संकलित करने के साथ ही इन्हें आधुनिकतम तकनीक के साथ डिजिटाइज किया जा रहा है। इनमें लिखित ज्ञान को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। आने वाले समय में यह संकलन हमारी भावी पीढ़ियों को अध्यात्म, विज्ञान, कला, शिल्प जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्राचीन ज्ञान और उसकी उत्कृष्टता से परिचित कराएगा और उस पर गर्व करने को प्रेरित करेगा।

संस्कृति के प्रतीक चिह्नों का पुनरोत्थान

भारत के मंदिर, किले, मेले, ऐतिहासिक धरोहर स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास के प्रतीक चिह्न हैं। यह दुःख का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद से भारत के इन सांस्कृतिक स्थलों की उपेक्षा की गई। कुछ ही स्मारकों का वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार किया गया। यह मंदिर भारत की विविधता भरी संस्कृति को एक सूत्र में जोड़ कर रखते हैं। देश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल वर्षों से उपेक्षा और अव्यवस्था का शिकार रहे। पिछले 12 वर्षों में इन स्थलों का कायाकल्प किया गया है। आज भारत में देश की प्राचीन संस्कृति के वाहक रहे काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक कॉरिडोर, केदारनाथ, सोमनाथ सहित विभिन्न मंदिरों और तीर्थनगरियों का व्यापक विकास किया गया है, श्रद्धालुओं के लिए वहां सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति जागरुकता भी आई। आज इन स्थानों पर आने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान का प्रतीक है। इन स्थानों के विकास और यहां की यात्राओं से युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व का एहसास बढ़ा है।

विरासत भी, विकास भी

आज हमारी संस्कृति के प्रतीक चिह्न हमारे धार्मिक स्थल, मंदिर, धार्मिक मेले स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ने से स्थानीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के साथ ही इन नगरों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे लोगों की जीवनशैली में व्यापक सुधार हुआ है। आज ऋषिकेश, अयोध्या, प्रयागराज, काशी सहित भारत के विभिन्न आध्यात्मिक नगरों में विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में भारतीय संस्कृति को जानने और समझने के लिए आ रहे हैं। भारतीय संस्कृति की व्यापकता से अभिभूत हो रहे हैं। इससे न सिर्फ भारत की संस्कृति को प्रचार प्रसार मिल रहा है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंच रहा है।

जड़ों से जुड़ता भारत

आज भारत अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। आज भारत भूली, बिसरा दी गई अपनी संस्कृति के पुनर्जागरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। अनेक शताब्दियों तक संघर्ष में उलझा रहा भारत एक नई करवट के साथ आज अपनी पुरानी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित कर रहा है। भारत आज विश्व को बता रहा है कि कैसे प्राचीन परंपरा और संस्कृति के साथ आधुनिकता को अपनाया जा सकता है, आने वाला समय नए भारत का है। भविष्य में भारत का विचार, भारत का दर्शन, भारत की संस्कृति विश्व को नई दिशा देने जा रही है। ■

प्रधानमंत्री ने रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के दो साल पूरे होने पर एक रैली को किया संबोधित

केंद्र सरकार का विज़न पूर्वी भारत के विकास के जरिये भारत का विकास है: नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून को मयूरभंज जिले के पहाड़पुर गांव का दौरा किया। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने पवित्र स्थलों 'संथाली जाहेरा' और 'हो जाहेरा में पूजा-अर्चना की तथा वे कौशल केंद्र और पहाड़पुर स्कूल देखने गये। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की थीम है 'विकास रा धारा, ओडिशा सारा'। श्री मोदी ने 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन और शिलान्यास किया।

राज्य में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के दो साल पूरे होने पर ओडिशा के लोगों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "डबल-इंजन सरकार राज्य के विकास की गति को तेज कर रही है और कल्याणकारी योजनाओं, निवेश, औद्योगिक विकास व रोजगार के अवसरों के माध्यम से आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला रही है।"

श्री मोदी ने संथाली भाषा के लिए ओल चिकी लिपि के निर्माता पंडित रघुनाथ मुर्मू, डॉ. दमयंती बेसरा और श्री चरण हेम्ब्रम सहित ओडिशा की प्रतिष्ठित व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी ने उनके मयूरभंज की मिट्टी से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक के सफर को ओडिशा और देश के लिए गर्व का विषय बताया।

उन्होंने केंद्र सरकार की 'भारत के विकास के लिए पूर्वी भारत का विकास' की दृष्टि को दोहराया और जोर दिया कि 'पूर्वोदय' नीति पूर्वी राज्यों की विशाल संभावनाओं को सामने ला रही है। श्री मोदी ने कहा, "केंद्र और राज्य सरकारें रेलवे अवसंरचना, राजमार्ग, आर्थिक कॉरिडोर, पत्तन, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और आधुनिक उद्योगों में रिकॉर्ड निवेश के जरिए इन ताकतों का पूरी तरह उपयोग करने के लिए साथ मिलकर काम कर रही हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "लगभग 47,000 करोड़ रुपये की परिवर्तनकारी परियोजनाएं ओडिशा के लोगों के लिए परिवहन-संपर्क, सार्वजनिक सेवाओं, आर्थिक अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार लाएंगी। ओडिशा पूर्वी भारत में विकास और समृद्धि के प्रवेश-द्वार के रूप में उभर रहा है और राज्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।"

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार ओडिशा के प्रचुर संसाधनों को विकास और समृद्धि के अवसरों में बदल रही है। उन्होंने 'उत्कर्ष ओडिशा' जैसी पहलों का ज़िक्र किया, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना और पूरे राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। श्री मोदी ने कहा, "इस पहल के तहत ओडिशा ने पहले ही लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त कर लिए हैं, जबकि कई बड़ी परियोजनाएं, जिनकी लागत 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, वर्तमान में कार्यान्वयन-चरण में हैं। राज्य के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्योग-अनुकूल वातावरण बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।"

पीएम जनमन मिशन

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम जनमन मिशन राष्ट्रपति मुर्मु के साथ हुई चर्चाओं से उभरा और यह विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के लिए डिजाइन किया गया है, यह सुनिश्चित करता है कि सरकारी सेवाएं सीधे सबसे वंचित जनजातीय समुदायों के दरवाजे तक पहुंचें।

जनजातीय युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में लगभग 500 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 750 स्कूलों को मंजूरी दी गई है। 1.5 करोड़ से ज़्यादा जनजातीय छात्रों को प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्तर पर सैकड़ों करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति मिली है। ■

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के हुगली में पश्चिमबंग दिवस समारोह में हिस्सा लिया

पश्चिम बंगाल विकास और राष्ट्र-निर्माण की एक नई यात्रा पर निकल पड़ा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून को 'पश्चिमबंग दिवस' (पश्चिम बंगाल दिवस) समारोह में भाग लिया। इस राज्य-स्तरीय समारोह का आयोजन हुगली के तारकेश्वर में किया जा रहा है, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से जुड़ा एक ऐतिहासिक महत्व का स्थान है। इस वर्ष के पश्चिमबंग दिवस का मुख्य विषयः 'पश्चिम बंगालः विरासत, सद्भाव और विकास' है। यह राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक एकजुटता और विकास की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया और उनकी आधारशिला रखी। रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से जुड़ी ये परियोजनाएं अवसंरचना को मजबूत करेंगी, आजीविका में सुधार करेंगी, किसानों के कल्याण को बढ़ावा देंगी और पूरे राज्य में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देंगी।

पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी

श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 23वीं किस्त भी जारी की। इस किस्त के तहत देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे भेजी गई।

प्रधानमंत्री ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। हाल ही में हुए चुनावों और नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद राज्य का यह उनका पहला दौरा था। पश्चिम बंगाल और देश की जनता का अभिवादन करते हुए श्री मोदी ने इस अवसर को एक ऐतिहासिक पल बताया, जो पूरे राज्य में नई उम्मीद, आत्मविश्वास और प्रगति की भावना को दर्शाता है। श्री मोदी ने कहा, "पश्चिम बंगाल विकास और राष्ट्र-निर्माण की एक नई यात्रा पर निकल पड़ा है। लोगों में दिख रहा उत्साह और राज्य का सकारात्मक माहौल एक उज्ज्वल भविष्य के प्रति बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है।"

उन्होंने 'स्वच्छता से स्वागत' पहल में हिस्सा लेने के लिए नागरिकों को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छता को रोज़मर्रा की जिंदगी और संवहनीय विकास का अहम हिस्सा बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को याद किया, जिन्होंने विभाजन के समय बंगाल का एक हिस्सा भारत के पास बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। श्री मोदी ने कहा, "रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसी महान हस्तियों से समृद्ध पश्चिम बंगाल की विरासत देश को प्रेरित करती आ रही है। इस विरासत को संजोने और इसका जश्न मनाने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसर पैदा करने की भी ज़रूरत है।"

श्री मोदी ने कहा कि नई सरकार ने दशकों से जमा हो रही चुनौतियों का समाधान करना शुरू कर दिया है और विकास की गति बढ़ाने के लिए तेज़ी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक क्षमता को उजागर करने के लिए तेज़ी से फ़ैसले लिए जा रहे हैं और लंबे समय से पड़ी लंबित परियोजनाओं को पुनर्जीवित किया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की जनता से किए गए वादे तय समय-सीमा के भीतर पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि राज्य के हर जरूरतमंद गरीब परिवार को अब 'आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा' योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने अन्नपूर्णा योजना की शुरुआत, जल जीवन मिशन के ज़रिए साफ़ पेयजल तक बेहतर पहुंच, सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा में छूट और महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा की सुविधा लागू करने का भी ज़िक्र किया। श्री मोदी ने कहा, "जो कल्याणकारी योजनाएं बरसों से अटकी हुई थीं, वे अब जन-संपर्क शिविरों के ज़रिए सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित हो रही है और बिचौलियों की भूमिका खत्म हो रही है।"

प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के तहत लगभग 2,400 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन राशि का किया वितरण

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की मदद ने लाखों युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में सक्षम बनाया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से जुड़े लाभार्थियों, उद्योग प्रतिनिधियों और हितधारकों को संबोधित किया और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने तथा पूरे देश में रोजगार सृजन को तेज करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत लगभग 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया, जो पीएम-वीबीआरवाई के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पीएम-वीबीआरवाई भारत सरकार की रोजगार से जुड़ी प्रमुख प्रोत्साहन योजना है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार कर रही है। इस प्रोत्साहन से पूरे देश में रोजगार के 15 लाख अवसरो के सृजन में मदद मिली है।

श्री मोदी ने कहा, "प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक रोजगार योजना से कहीं अधिक है। यह पहली बार नौकरी शुरू करने वाले युवाओं की आकांक्षाओं को मजबूत करने और उद्योग तथा कार्यबल के बीच एक मजबूत सेतु बनाने के लिए तैयार की गई एक पहल है।"

योजना की उपलब्धियों को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 70 लाख नई नौकरियां सृजित की गई हैं और इतनी ही संख्या में पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 20 लाख युवा पहली नौकरी में छह महीने पूरे कर चुके हैं, जबकि इस उपलब्धि को पूरा करने पर लगभग 10 लाख लाभार्थियों को योजना के तहत पहले ही प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की गयी है।

श्री मोदी ने बताया कि सरकार का अवसंरचना में 12 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश रोजगार सृजन के लिए मजबूत आधार बना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की मदद ने लाखों युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में सक्षम बनाया है। महिलाओं के सशक्तीकरण की बात करते हुए उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं-सहायता समूहों से जुड़ी हैं, जबकि 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा जैसी पहलों ने छोटे उद्यमियों, रेहड़ी विक्रेताओं और पारंपरिक कारीगरों की आजीविका को मजबूत किया है। ■

देवकमल के आजीवन सदस्य बनें

आज ही देवकमल की सदस्यता लें और राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना सहयोग दें

सदस्यता प्रपत्र

नाम :

पूरा पताः

दूरभाष : मोबाइल : (1) (2)

ईमेल :

सदस्यता	एक वर्ष	₹ 150/–	☐	आजीवन सदस्यता	₹ 5000/–	☐
	तीन वर्ष	₹ 550/–	☐			

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र.: दिनांक : बैंक :

नोटः डीडी/ चेक, 'देवकमल' के नाम देय होगा।

मनी ऑर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे। (हस्ताक्षर)

देवकमल

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें :-

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड

प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलबीर रोड, देहरादून, उत्तराखंड, पिन नं. 248001, फोन नं. 0135-2669578

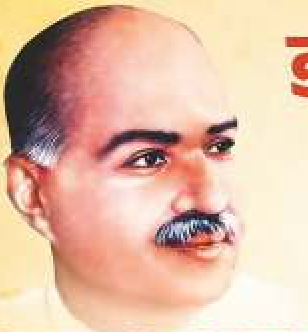

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

125वीं जयंती

देवकमल

उत्तराखण्ड भाजपा का
वैचारिक मुखपत्र

प्रेषण की तिथि : चालू माह की 15वीं तारीख
RNI No. UTTHIN/2022/81460
Postal Registration No.: UA/DO/DDN/02/2022-24
भाजपा प्रदेश मुख्यालय,
39/29/3, बलवीर रोड,देहरादून- 248001

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री एवं युवा मोर्चा प्रभारी श्री आदित्य चौहान एवं अन्य विशिष्टजन।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के अवसर पर काशीपुर नगर निगम प्रांगण में पौधरोपण करते प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट, साथ में महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रुचि भट्ट , जिलाध्यक्ष श्री मनोज पाल एवं अन्य विशिष्टजन।

राजपुर विधानसभा के बूथ नंबर 24 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनते बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति उपाध्यक्ष श्री ज्योति प्रसाद गैरोला, विकासनगर विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान एवं अन्य विशिष्टजन।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित।

देवकमल के लिए अपने जनपद तथा भाजपा संगठन के विशेष कार्यक्रमों के चित्र तथा जानकारी इस मेल पर भेजें।

ई-मेलः- editordevkamal@gmail.com
f / Devkamal4uk